suspension) *inter-alia* on the charge of indiscriminate supply of Janta Handloom Textiles without always obtaining the permission of authorities as required under the Head Office instructions, is in progress. Final action in the case could be taken by the NCCF only on receipt of the advice from the Central Vigilance Commission, which is awaited.

Loss to Bombay branch of NCCF

108. SHRI ISH DUTT YADAV: Will the Minister of FOOD AND CIVIL SUPPLIES, be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 2987 given in the Rajya Sabha en the 19th August, 1989 and state;

(a) what disciplinary action has been taken a.gamst the officers found guilty in the Rabi purchase '87 of Akola Depot, Bombay branch of NCCF; and

(b) if no action has been taken what are the reasons therefor and by when the final decision is likely to be taken by Government?

THE MINISTER OF FOOD AND CIVIL SUPPLIES (SHRI NATHU RAM MIRDHA): (a) and (b) The Depot Incharge of Akola. who was primarily involved in the purchases is no longer in the service of NCCF. No action can be taken against him.

Development of Missile capability in the country

109. SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Will the PRIME MINISTER be pleased to state;

(a) whether Government intend to proceed further ahead with development of IRBM missile capability since the testing of "Agni" and "Prithvi"; and

(b) whether Government have plans to develop ICMB capability?

THE PRIME MINISTER (SHRI VISHWANATH PRATAP SINGH): (a) Prithvi is a battle-field tactical missile and is not of the IRBM class. AGNI is a technology demonstrator aimed at proving some of the technologies concerning guidance, control and re-entry.

महाराष्ट्र को मिट्टी के तेल की कम सप्लाई

110. **श्री विश्वासराव रामराव पाटिल :** क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि महाराष्ट्र सरकार ने केन्द्रीय सरकार से मिट्टी के तेल, गेहूं तथा आयातित वनस्पति तेलों की कम सप्लाई किए जाने के विरुद्ध शिकायत की है;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्योरा क्या है; और

(ग) इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री (श्री नाथू राम मिर्धा): (क) से (ग) महाराष्ट्र सरकार से मिट्टी का तेल, गेहूं और आयातित खाद्य तेलों के आवंटन में वृद्धि करने के अनुरोध प्राप्त हुए हैं। प्रत्येक वस्तु के बारे में स्थिति नीचे दी गई है :

मिट्टी का तेल: महाराष्ट्र सहित सभी राज्यों को मिट्टी के तेल का आवंटन प्रचलित नीति के अनुसार किया जाता है। मिट्टी के तेल का अतिरिक्त आवंटन करने के लिए महाराष्ट्र सरकार से प्राप्त अनुरोधों को समय-समय पर पूरा किया जाता रहा है। जुलाई, 1989 से नवम्बर, 1989 की अवधि में इस राज्य को सामान्य आवंटन के साथ-साथ 30,582 मी० टन का अतिरिक्त आवंटन किया गया था।

गेहूं : केन्द्रीय पूल से गेहूं का आवंटन खुले बाजार में उपलब्ध मात्रा की कमी को पूरा करने हेतु किया जाता है और राज्य सरकारों/संघ शासित क्षेत्रों द्वारा की गई मांग, बाजार में उपलब्धता, भंडार की स्थिति और अन्य बातों को ध्यान में रखते हुए मासिक आधार पर किया जाता है। महाराष्ट्र सरकार ने आगामी